

मिस फ्रिजल की कक्षा चाँद के बारे में पढ़ रही है। वे रात में चाँद को देखने के लिए एक ट्रिप पर जा रहे हैं। क्या यह एक आम ट्रिप होगा – या कोई असाधारण अनुभव?

मिस फ्रिजल की कक्षा के साथ उड़ान भरें और चाँद से सम्बन्धित सभी जानकारियाँ पाएँ!



ISBN-10: 81-7655-991-1  
ISBN-13: 978-81-7655-991-1



9 788176 559911

# मैजिक स्कूल बस

## चाँद पर सैर सपाटा





Written by Joanna Cole.

Based on *The Magic School Bus* books written by Joanna Cole and illustrated by Bruce Degen.

The author and editor would like to thank Dr. Joni Johnson of the Astronomy Department of New Mexico State University for her advice in preparing this manuscript.

Illustrations by Carolyn Bracken

Designed by Louise Bova & Maria Stasavage

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without written permission of the publisher. For information regarding permission, write to Scholastic Inc., Attention: Permissions Department, 557 Broadway, New York, NY 10012.

Copyright © 2004 by Joanna Cole and Bruce Degen. First published in English by Scholastic Inc. in September 2004. All rights reserved.  
SCHOLASTIC, THE MAGIC SCHOOL BUS, and associated logos are trademarks and/or registered trademarks of Scholastic Inc.

Translated into Hindi by Vinita Singhal

Hindi translation © 2008 Scholastic India Pvt. Ltd.

Published in January 2008 by Scholastic India Pvt. Ltd.  
Golf View Corporate Tower-A, Third Floor, DLF Phase-V, Gurgaon 122 002.

ISBN-10: 81-7655-991-1

ISBN-13: 978-81-7655-991-1

# मैजिक स्कूल बस

## चाँद पर सैर सापाटा



आरनोल्ड राल्फी कीशा फ्रॉनी कार्लोस टिम वांडा डोरथी एन

स्कॉलास्टिक

न्यूयॉर्क टोरंटो लंडन ऑकलण्ड सिडनी  
मेक्सिको सिटी नई दिल्ली हॉग कॉर्न ब्यूनस आयर्स

मिस फ्रिजल आम टीचरों  
की तरह नहीं हैं।

मज़ोदार सैर  
आज रात!



उनकी पोशाक अलग-सी होती है।  
उनके जूते अलग-से होते हैं।

क्रेटर



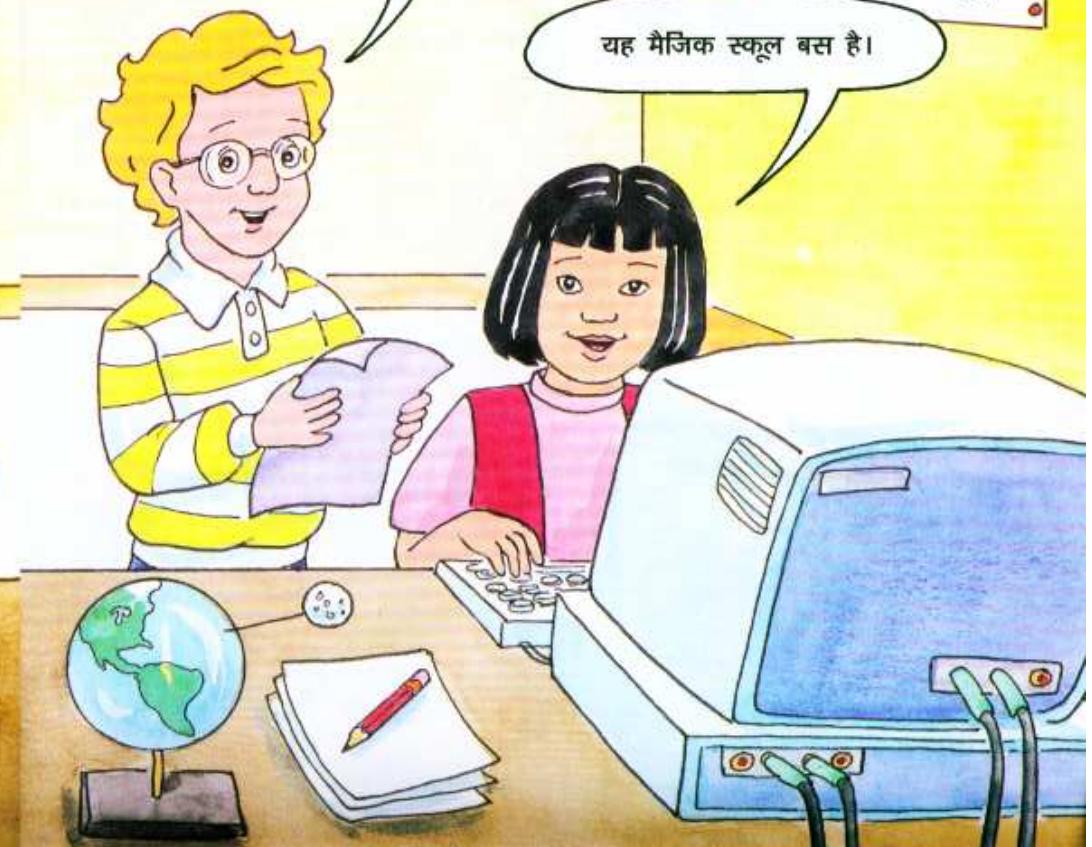
उनकी बस सचमुच अलग-सी है।

कक्षा

पृथ्वी

चाँद

यह मैजिक स्कूल बस है।



मिस फ्रिजल हमें चौंद के बारे में पढ़ा रही हैं।  
हम ट्रिप पर जा रहे हैं जिससे हम रात में चौंद देख सकें।  
मिस्टर कॉक्स भी चल रहे हैं। वे फोबे के पिता हैं।

मैं फोबे के पुराने स्कूल में हमेशा  
ट्रिप पर जाता था।

मिस फ्रिजल के ट्रिप मजेदार होते हैं।

मेरे पिता मौज मस्ती नहीं,  
सीखना पसंद करते हैं।

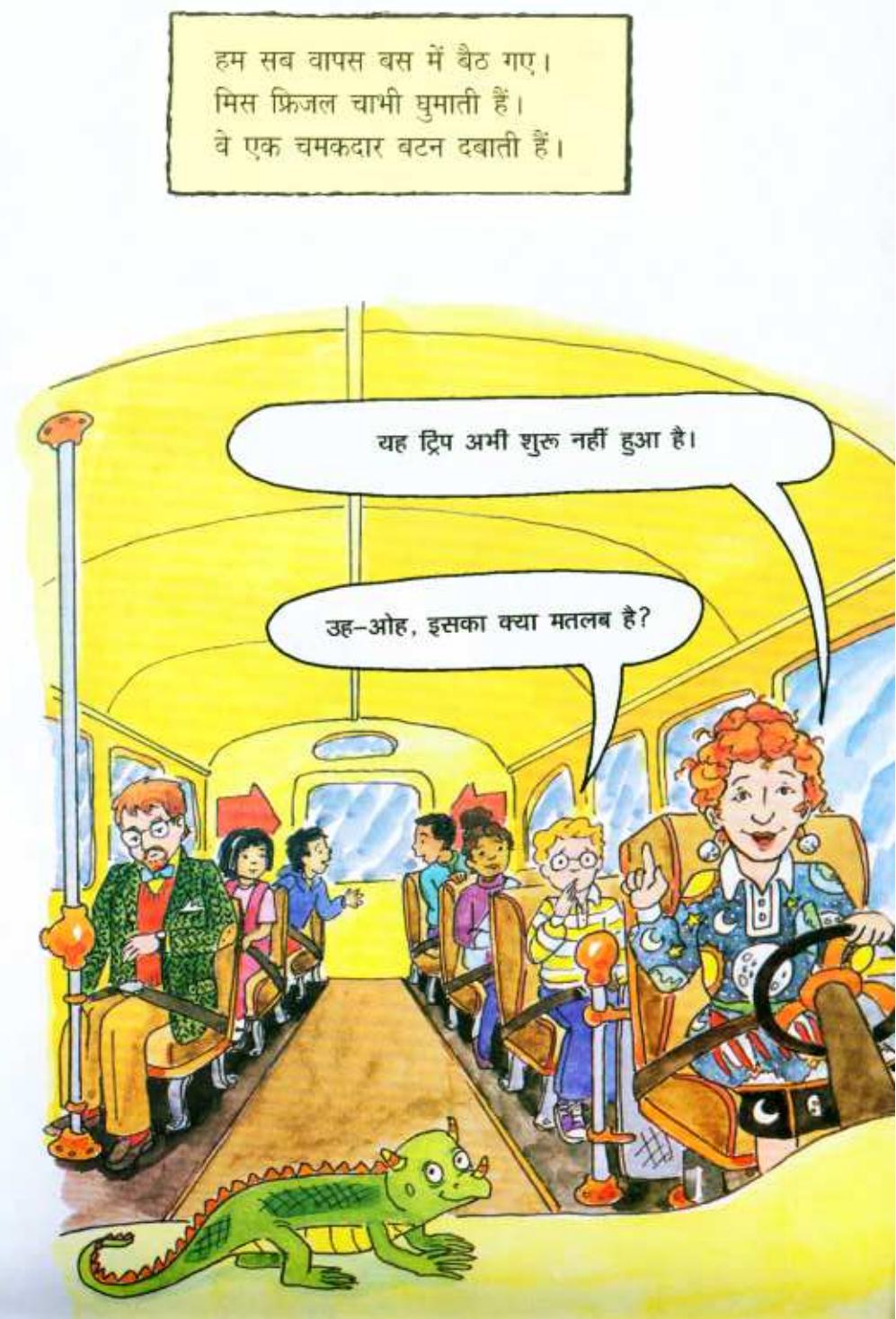
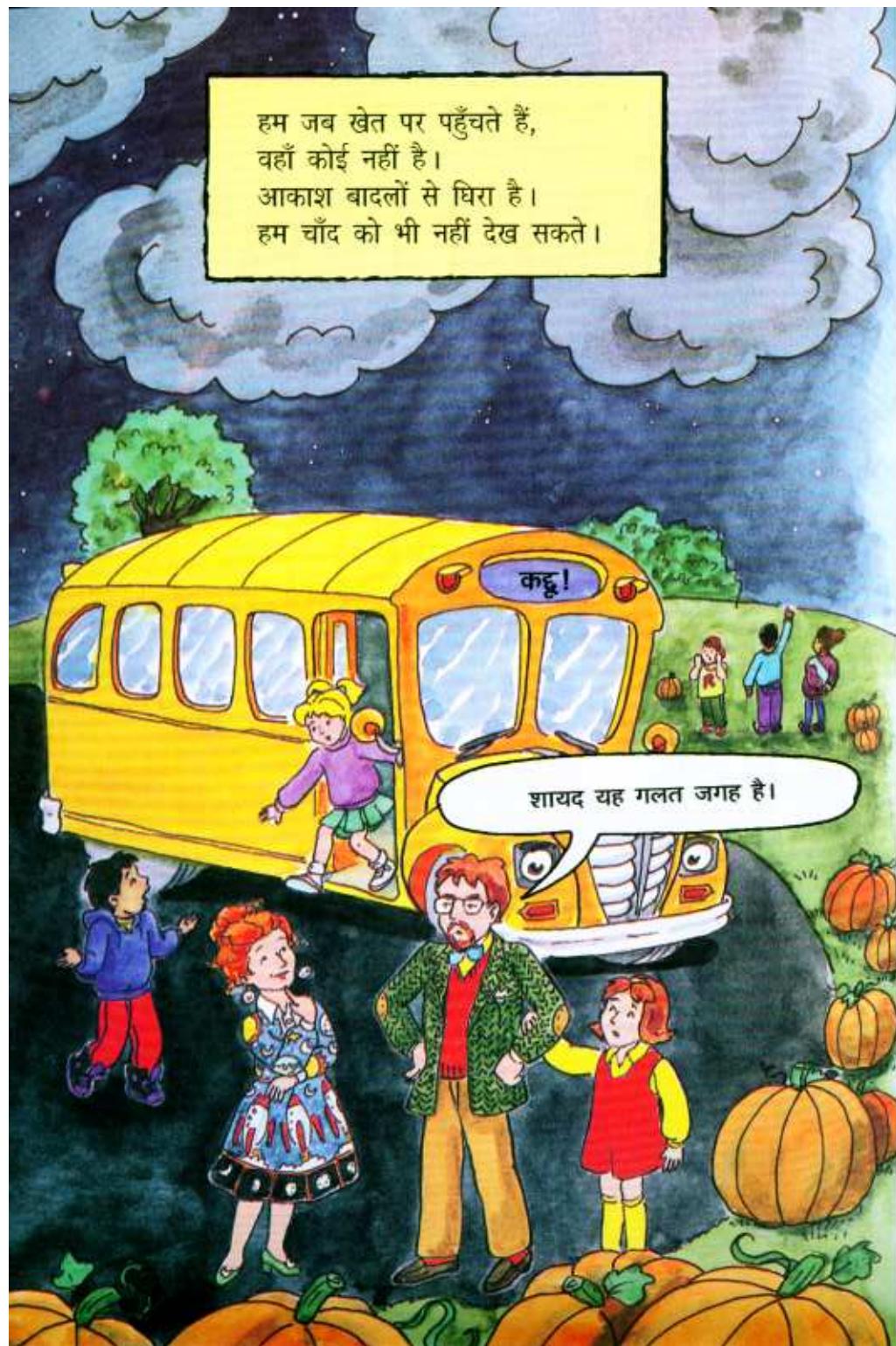
हम बाट-बाट  
चककर लगाते हैं

चौंद पृथ्वी के चारों ओर धूमता  
है। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर  
धूमती है।



हम एक खेत पर जा रहे हैं।  
हम मजेदार सैर करेंगे।

खेत की  
ओट!



अब बस बादलों के ऊपर चली जाती है।  
वह अन्तरिक्ष में पहुँचती है।  
हमें अपने पीछे पृथ्वी दिखाई देती है।  
हमें अपने सामने चाँद दिखाई देता है।

हम सोच रहे हैं कि फोबे के पिता क्या सोचेंगे।  
हम सब मिस्टर कॉक्स की ओर देखते हैं।  
उन्हें नहीं पता कि क्या सोचना है।

फोबे, यह अपने पिता को  
कैसे समझाएगी?

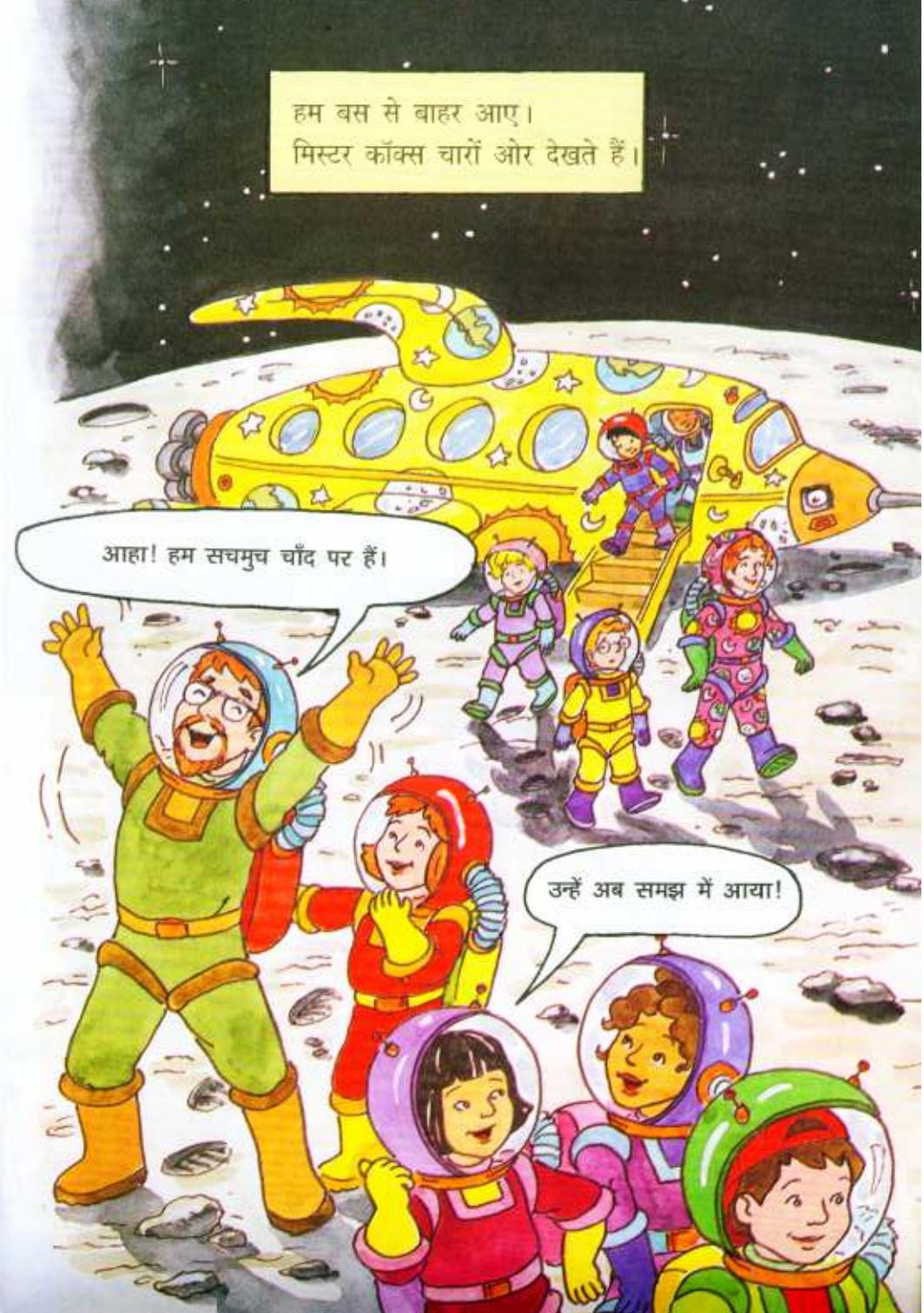
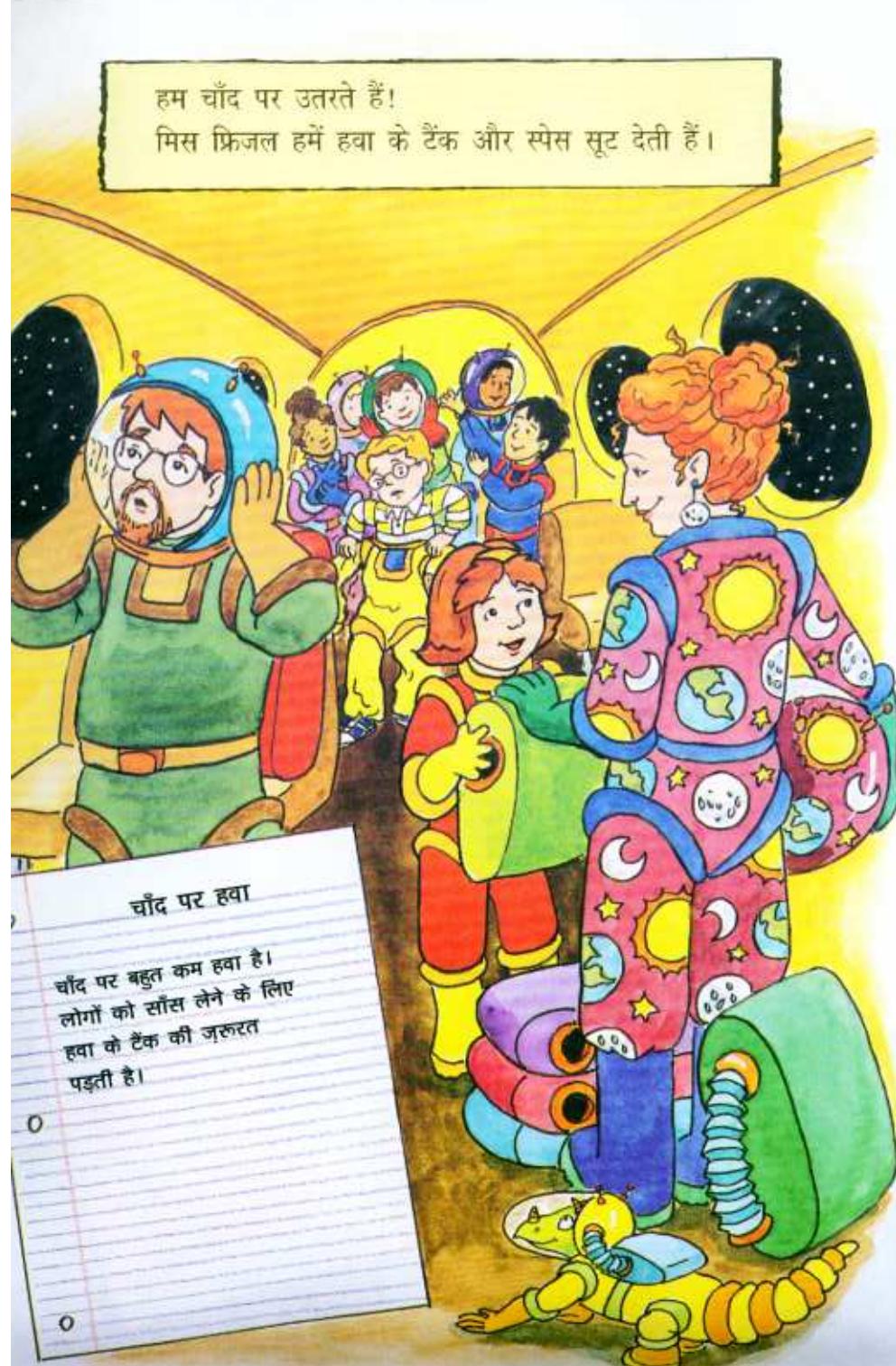
क्या यह एक फिल्म है?

दरअसल नहीं।

चाँद की रोशनी  
सूर्य की रोशनी है

चाँद खुद अपनी रोशनी  
नहीं बनाता। सूर्य की रोशनी  
चाँद से टकराकर आती है।





हमें हल्का महसूस होता है।  
हम कूदते हैं। हम वास्तव में ऊँचा कूदते हैं।

हम चाँद पर हल्के हो गए हैं।

ऐसा इसलिए कि चाँद पर पृथ्वी की  
अपेक्षा कम गुलत्य है।

गुलत्य क्या होता है?

यह किसी ग्रह, चाँद या  
सितारे का बल होता है  
जो चीजों को अपने केन्द्र  
की ओर खींचता है।

फोबे, तुम्हारे पिता तो मर्सी कर रहे हैं!

मुझे विश्वास नहीं होता।

तब हमें एक झण्डा दिखाई देता है।  
हम पद-चिन्ह देखते हैं।  
उनसे पता चलता है कि अन्तरिक्षयात्री यहाँ आए थे।

नील आर्मस्ट्रॉग चाँद पर  
चलने वाला पहला  
अन्तरिक्षयात्री था।

नील आर्मस्ट्रॉग ने कहा था,  
“मानव के लिए यह एक छोटा कदम,  
मानवता के लिए एक विशाल छलाँग है।”

मेरे लिए एक छोटा कदम!

○ चाँद पर चलने वाले

अब तक चाँद पर  
12 अन्तरिक्षयात्री  
चल चुके हैं।



चाँद पर हम बहुत सी चट्टानें देखते हैं।  
अधिकांश छोटी हैं, लेकिन मिस्टर कॉक्स  
एक बड़ी चट्टान पर चढ़ते हैं।

बच्चों, पास ही रहो!

चाँद पर चट्टानें

चाँद चट्टानों से ढका है।  
वैज्ञानिक सोचते हैं कि चाँद  
की अधिकांश चट्टानें, पृथ्वी  
की चट्टानों जैसी हैं।  
वे लगभग 4.3 अरब वर्ष  
पुरानी हैं।

हम मिस्टर कॉक्स को नहीं देख रहे।  
हम चाँद की चट्टानों को देख रहे हैं।

वह बड़ा सा गोल  
गड़ा क्या है?  
मैं जाकर देखता हूँ।

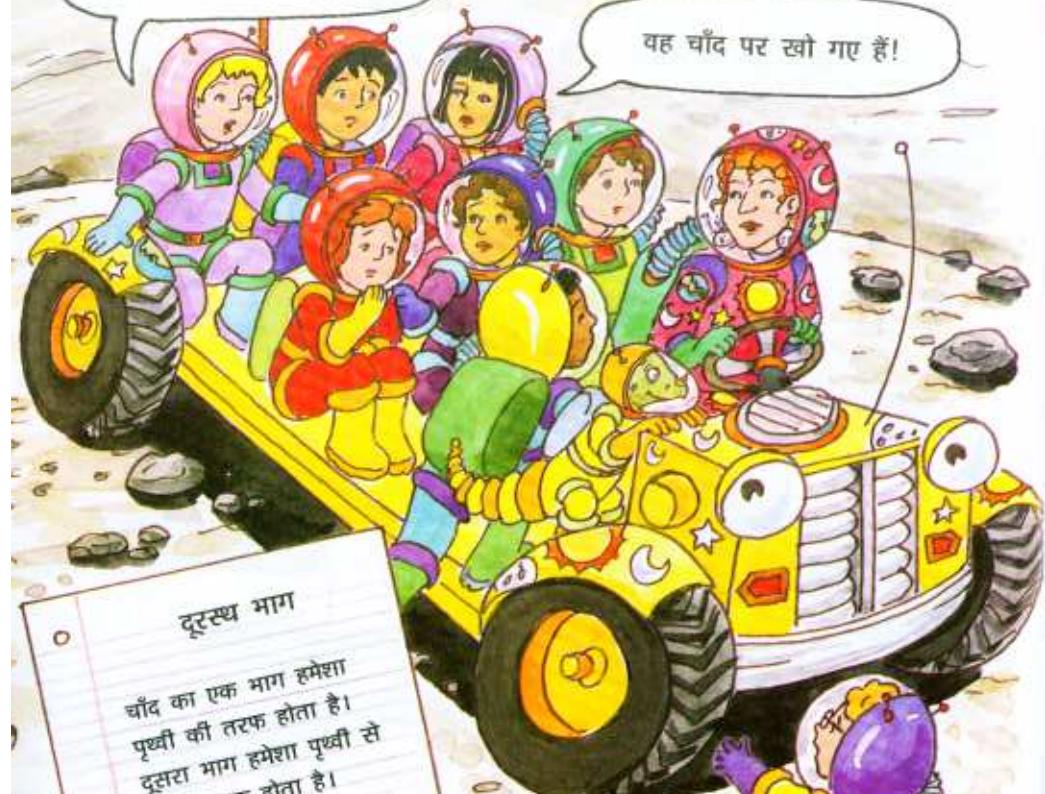
मिस्टर कॉक्स दूर चले जाते हैं।

हे, भगवान्!

अरे, नहीं! मिस्टर कॉक्स खो गए!  
मिस फ्रिजल कहती हैं, "बस में बैठो।"  
बस, चाँद की एक बग्धी में बदल जाती है।

हमें मिस्टर कॉक्स को ढूँढ़ना होगा!

वह चाँद पर खो गए हैं!



हम बग्धी चलाना शुरू करते हैं।  
दूर अँधेरा दिखाई दे रहा है।  
मिस फ्रिजल बताती हैं कि चाँद के  
उस हिस्से में रात है।

मैं आशा करती हूँ कि मेरे पिता  
उस अँधेरे भाग की ओर न गए हों।

उधर वाकई बहुत अँधेरा है।



चमको, चाँद चमको,  
ऊपर आकाश में!

तब हम एक आवाज़ सुनते हैं।  
कोई गा रहा है।  
आवाज़ एक गड्ढे से आ  
रही है।

यह मिस्टर कॉक्स की आवाज़  
लगती है।

तुम्हारे पिता वास्तव में मर्सी कर रहे हैं।

मेरे पिता असल में एक  
गड्ढे के तल पर हैं।

○ क्रेटर (गड्ढे) कैसे बनते हैं?  
जब कोई चीज़ चाँद से टकराती है,  
तब गड्ढे बन जाते हैं।  
तब यह एक बड़ा गोल गड्ढा छोड़  
जाती है।

○ चीज़ें जो चाँद से टकरा सकती हैं:

धूमकेतु

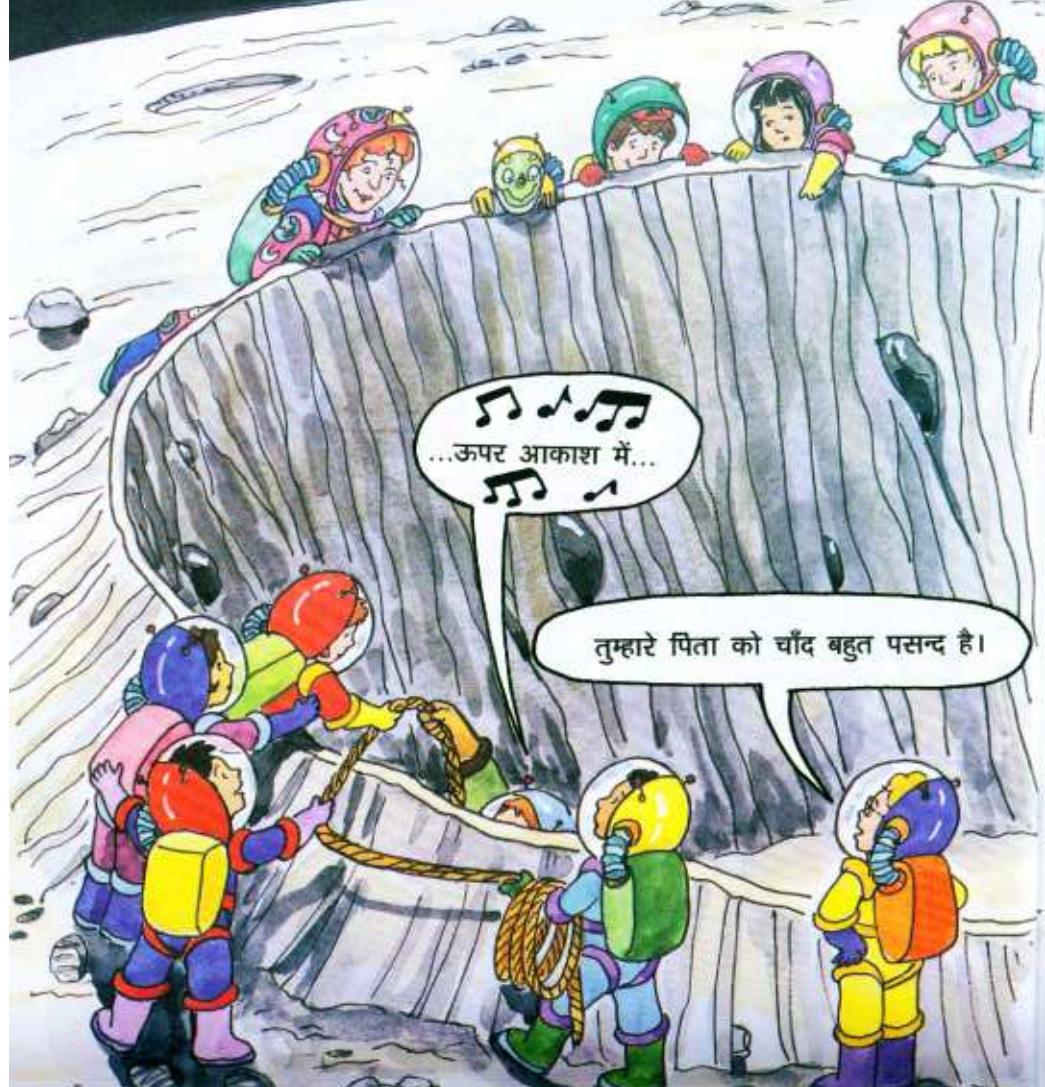
क्षुद्रग्रह

○ उल्काम

हम उन्हें बाहर कैसे  
निकाल सकते हैं?

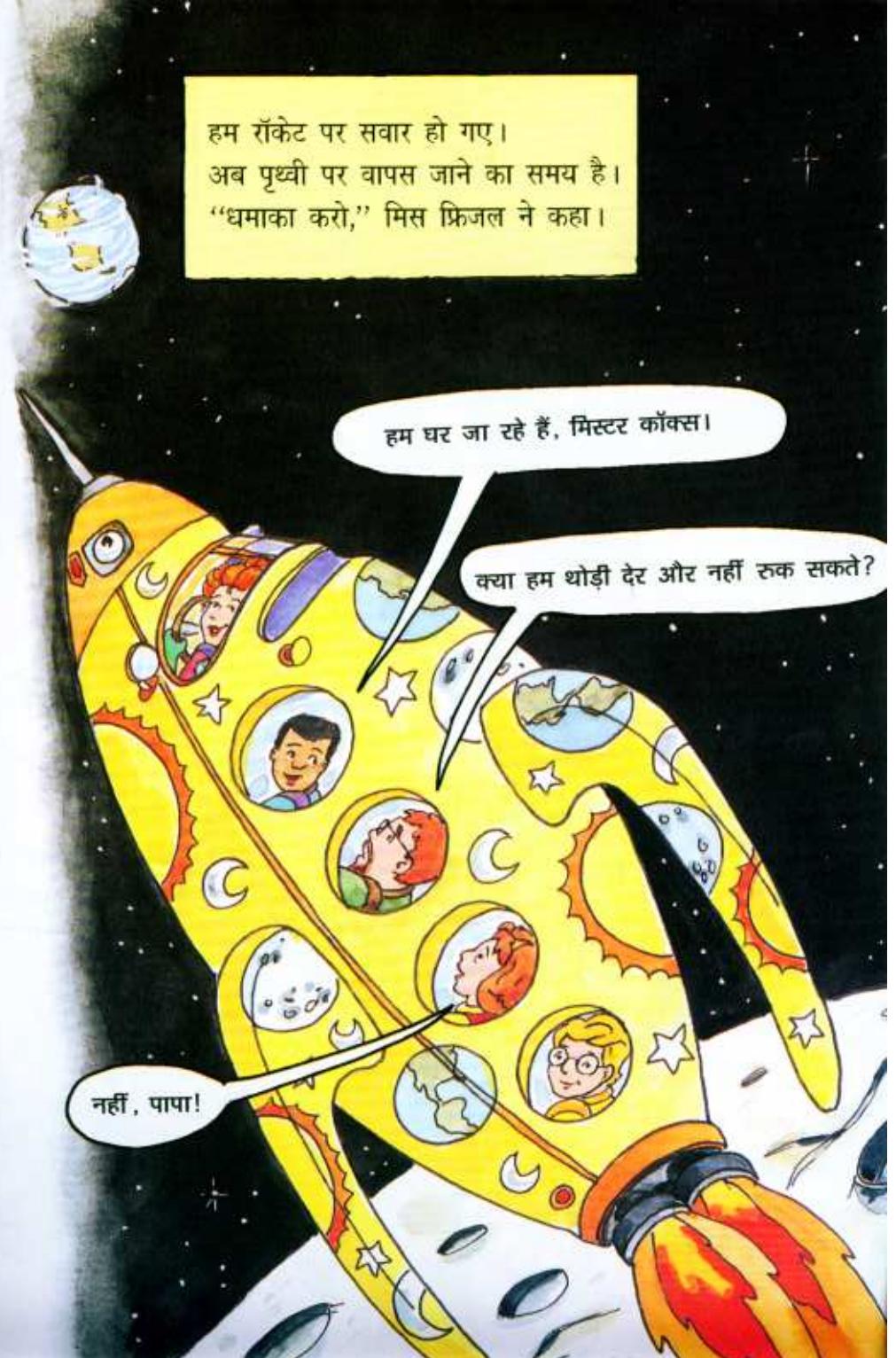
हम मिस्टर कॉक्स को एक रस्सी  
फेंकते हैं।

यह एक बहुत लम्बी रस्सी है।  
“खिंचो,” फोबे चिल्लाकर कहती है।

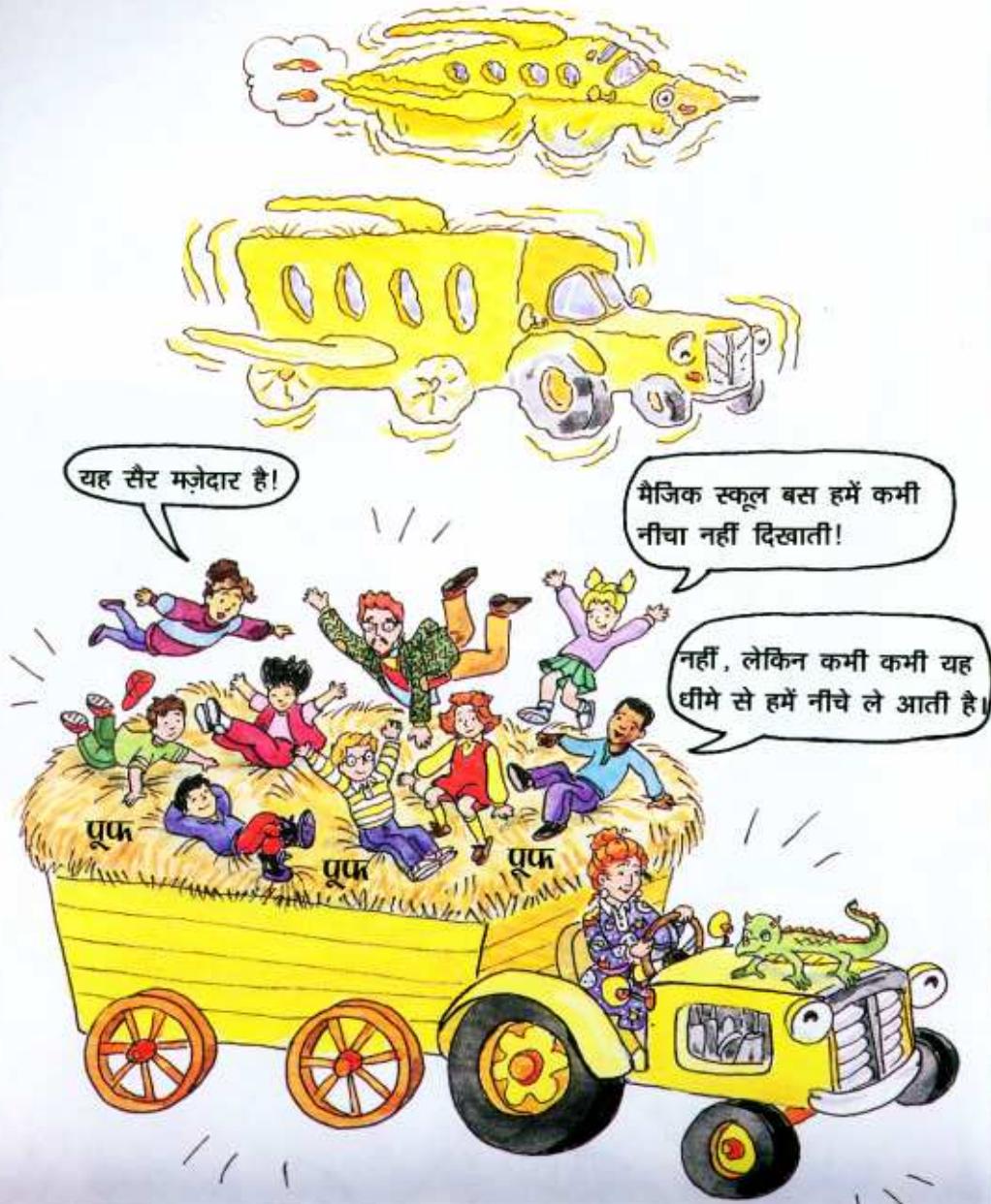


हम रॉकेट पर सवार हो गए।

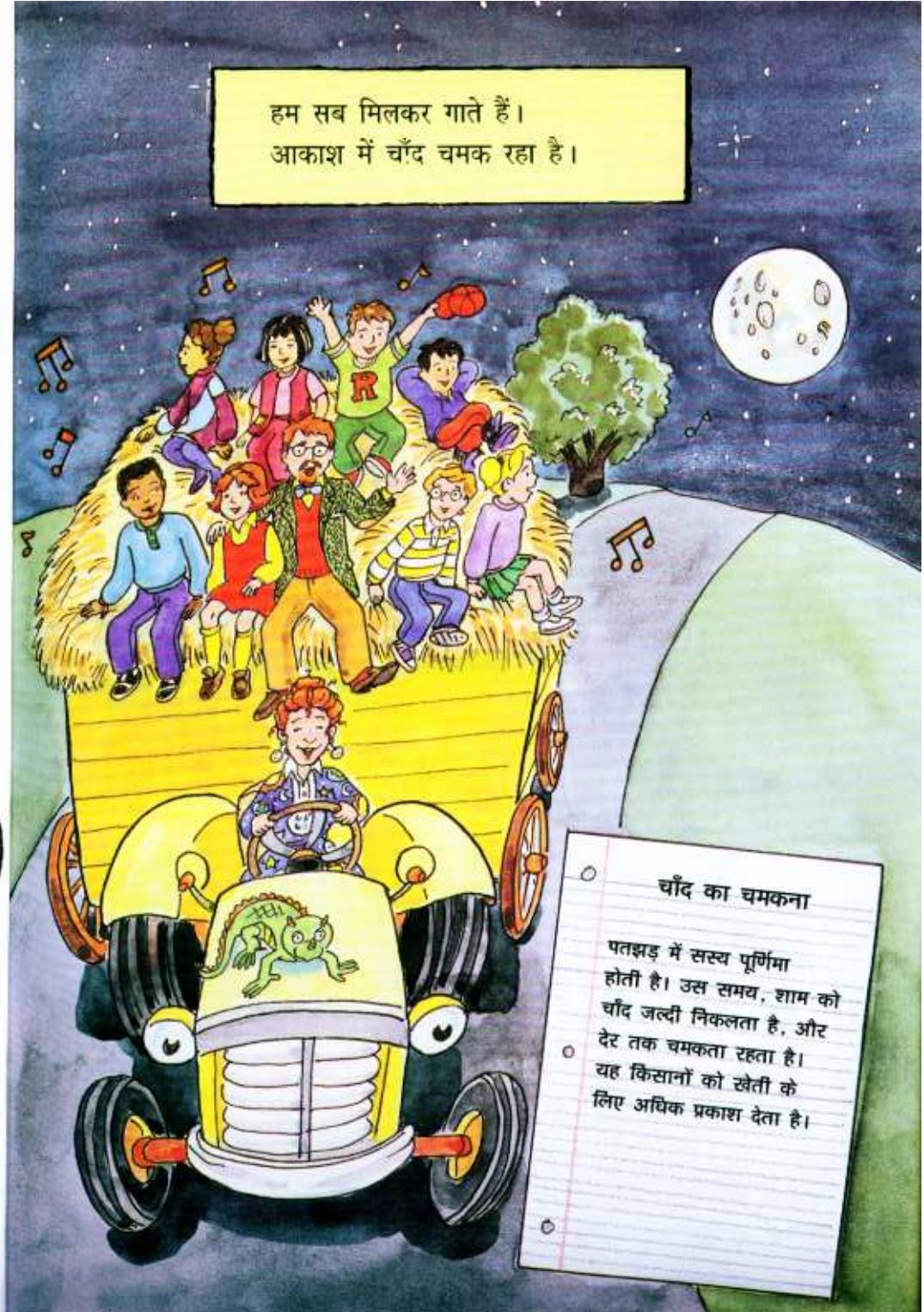
अब पृथ्वी पर वापस जाने का समय है।  
“धमाका करो,” मिस फ्रिजल ने कहा।



जब हम पृथ्वी पर पहुँचे,  
बस एक ट्रेलर बन गई।



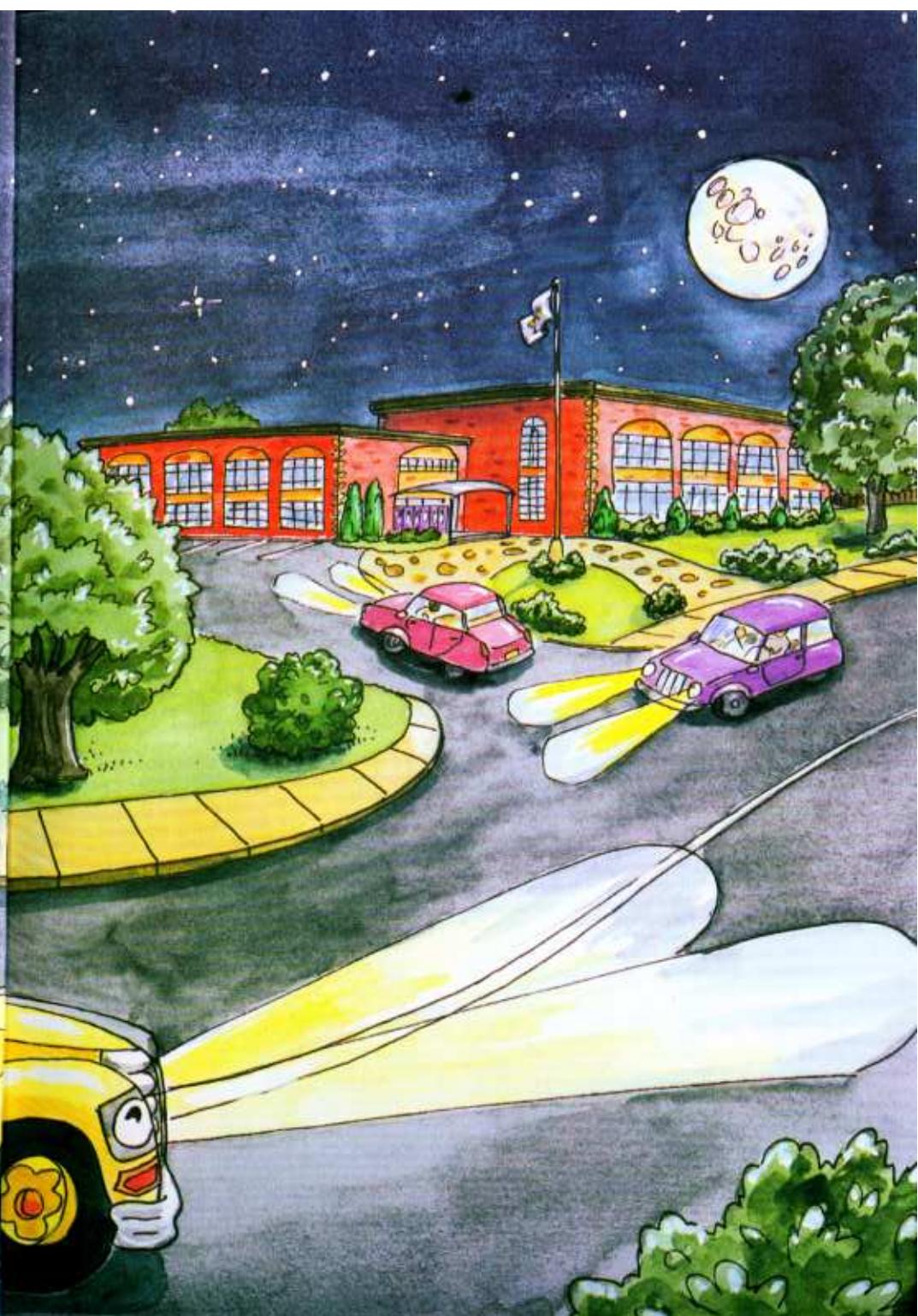
हम सब मिलकर गाते हैं।  
आकाश में चाँद चमक रहा है।

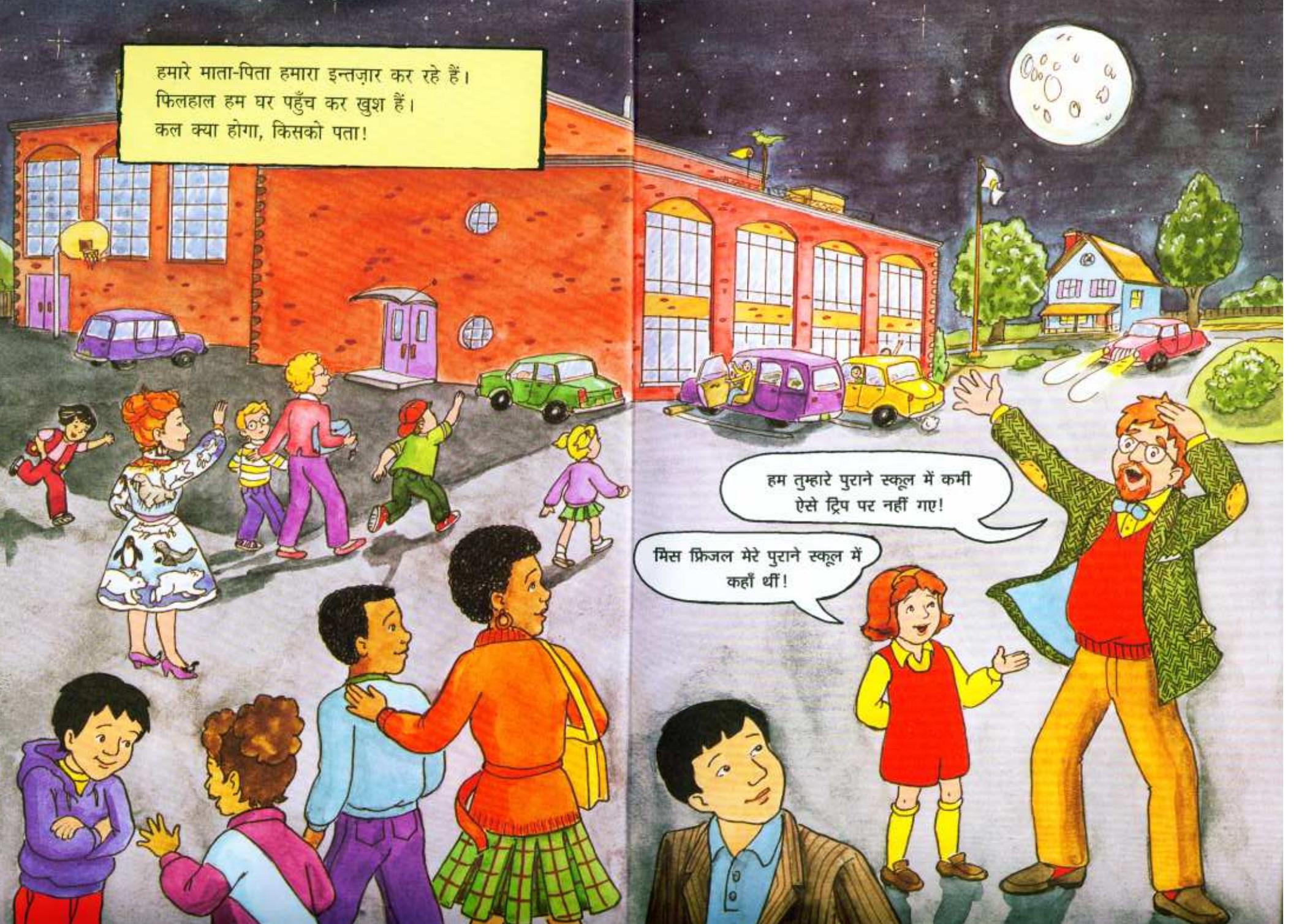


हम लगभग वापस स्कूल पहुँच गए हैं।  
बस फिर से बस बन गई है।

क्या ट्रिप खत्म हो गया?

शुक्र है!





हमारे माता-पिता हमारा इन्तज़ार कर रहे हैं।  
फिलहाल हम घर पहुँच कर खुश हैं।  
कल क्या होगा, किसको पता!

हम तुम्हारे पुराने स्कूल में कभी  
ऐसे द्रिप पर नहीं गए!

मिस फ्रिजल मेरे पुराने स्कूल में  
कहाँ थीं!

## चाँद के बारे में कुछ और

- पृथ्वी चाँद से चार गुणा बड़ी है।
- चाँद को पृथ्वी का चक्कर लगाने में लगभग एक महीना लगता है।  
पृथ्वी को सूर्य का चक्कर लगाने में एक वर्ष लगता है।
- चाँद का तापमान अंधेरे में - 247°F (-155°C) तक नीचा हो सकता है।  
यह धूप में 221°F (105°C) तक ऊँचा हो सकता है।

## चाँद पर मानव

नील आर्मस्ट्रॉग चाँद पर 21 जुलाई 1969 को चले थे।

अन्य अन्तरिक्षयात्री भी चाँद पर चले हैं।

क्योंकि चाँद पर कोई हवा या मौसम नहीं है, अन्तरिक्षयात्रियों के पदचिन्ह अभी तक वहाँ हैं। वे सैकड़ों वर्षों तक रहेंगे।

